हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

12 पहाड़ों में ब्लास्टिंग को लेकर गांव उष्मापुर में...

12 भाजपा सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदा में...

18 साल में पहली बार दिसम्बर महीना रहा बिल्कुल शुष्क

हाड़कंपा देने वाली ठंड से होगा नये साल का आगाज, बारिश की बनी संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पिछले दो महीनों से आमतौर पर मौसम शुष्क बना हुआ है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान व ठंड के मिजाज में भी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दिसम्बर महीने में एक के बाद एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में केवल मौसम परिवर्तनशील बना रहा, साथ ही तापमान में उतार चढ़ाव के साथ मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहा। 18 सालों में पहली बार दिसम्बर महीना बिल्कुल शुष्क बना रहा, अन्यथा दिसम्बर महीने में आमतौर पर एक दो सशक्त पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बारिश की गतिविधियां देखने को मिल जाती है।

इस साल कमजोर पश्चिमी विक्षोभों ने ठंड के तेवरों को भी ढीला भी ढीला बनाकर रख दिया। इनसे उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर केवल हल्की बर्फबारी हुई व मैदानी राज्यों में केवल बादलवाही। इनसे तापमान में उतार चढ़ाव ही देखने को मिला। सम्पूर्ण इलाके में कड़ाके की ठंड की गतिविधियां नदारद है। हालांकि छोटे छोटे अंतराल पर शीतलहर, धुंध कोहरा, पाला जमने की गतिविधियों को दिसम्बर महीने में देखने को मिली। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हाड़कंपा देने वाली ठंड की तारतम्यता नदारद ही रही, लेकिन आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बड़े पैमाने पर बदलाव होने की संभावना बनती नजर आ रही है, क्योंकि एक मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ 31 दिसम्बर को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर भारी बर्फबारी व मैदानी राज्यों में विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 31 दिसम्बर से दो जनवरी के दौरान हल्की से मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी व उत्तरी जिलों में एक दो स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है। हालांकि 31 दिसम्बर को रात्रि से ही मौसम में बदलाव व एक जनवरी अलसुबह से हरियाणा एनसीआर में 60-70 प्रतिशत एरिया में कहीं हल्की, तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है।

- 31 दिसंबर को सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, 1 से 2 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

शीतलहर, धुंध कोहरा व पाला जमने की संभावना

यह मौसम प्रणाली दो जनवरी रात को आगे निकल जाएगी। वैसे ही ठंड के सभी रूप देखने को मिलेंगे। सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। शीतलहर, धुंध कोहरा व पाला जमने की गतिविधियों देखने को मिलेगी। यानी नया साल का आगाज बारिश के साथ हाड़कंपा देने ठंड से होगा। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे ज्यादा ठंडी रात 2.5 डिग्री सेल्सियस के साथ हिसार की दर्ज हुई, गुड़गांव व जींद का रात्रि तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि महेंद्रगढ़ का रात्रि तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम पूर्वानुमान

मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया 31 दिसम्बर को एक नया मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 31 दिसम्बर रात से ही मौसम में बदलाव और 1 जनवरी को अलसुबह से हल्की से मध्यम बारिश और बूंदाबांदी की गतिविधियों की प्रबल संभावना है। हालांकि सम्पूर्ण हरियाणा के पंजाब से सटे उत्तरी हिस्सों में कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश जबकि मध्य और पश्चिमी हिस्सों में मध्यम और दक्षिणी हिस्सों में हल्की बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों की सम्भावना बन रही है । जैसे ही मौसम प्रणाली 2 जनवरी को आगे निकल जाएगी और हाड़ कंपा देने वाली ठंड अपने तेवरों को प्रचंड बनाएगी।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में युवक की मौत

नारनौल। गांव बाछोद के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार करीब 37 वर्षीय पुष्कर वासी गांव बिंजापुर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाछोद के समीप उक्त मार्ग पर आगे चल रहे ट्रक के अचानक टायर फट गए तथा इस हादसे की चपेट में पुष्कर आ गया। पुष्कर पीछे पीछे बाइक पर चल रहा था और वह इस टायर फटने पर अचानक से सड़क पर गिर गया और इसमें लगी चोटों के कारण उसको जख्मी अवस्था में एंबुलेंस से अटेली अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने गंभीरावस्था के चलते उसे नारनौल के लिए रेफर कर दिया। मगर वह बच न सका तथा उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

बिल समाधान शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान हेतु 30 दिसंबर को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस विशेष शिविर में 50 हजार से एक लाख रुपये तक के बिजली बिल मामलों पर सुनवाई की जाएगी।

जमुवाय माता मंदिर में भंडारा एक को

सतनाली मंडी। कस्बे के जमुवाय माता मंदिर में नववर्ष पर भजन जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कमेटी सदस्य कल्याण सिंह शेखावत ने बताया कि इस अवसर पर 31 दिसम्बर को स्थानीय प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजन जागरण में माता का भजनों के माध्यम से गुणगान किया जाएगा व अगले दिन एक जनवरी को माता के भक्तों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

बीच-बीच में नहर बंद होने तो कभी बिजली की समस्या से कम मात्रा में पहुंचा पानी

नहरों में जरूरत से कम पानी आने पर वंचित रह गई सिंचाई योग्य रबी फसलें

जिले की नहरों में इस बार खुबडू हैड से 13 दिसंबर को छोड़ा गया था पानी, जो 26 दिसंबर तक ही चला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

इस बार जिला की नहरों में पानी जरूरत से कम आने के चलते किसानों की रबी सरसों, गेहूं, जौ एवं चना की फसलें सिंचाई से वंचित रह गई हैं। बरसात नहीं होने से फसलों को सिंचाई की सख्त जरूरत थी, लेकिन नहर विभाग के शेड्यूल के मुताबिक पानी नहीं मिलने से समस्या और बढ़ गई है। नहर विभाग नारनौल को करीब 450 क्यूसिक नहरी पानी की आपूर्ति करता है, लेकिन इस बार करीब 350 क्यूसिक ही पानी मिल पाया है, जबकि सिंचाई के मद्देनजर जरूरत 600 क्यूसिक नहरी पानी की थी, ताकि सभी किसानों के खेतों में सिंचाई हो सके।

प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे जिला महेंद्रगढ़ की शुष्क एवं रेतीली धरती को रबी सीजन में फसलों को सिंचाई के लिए नहरी पानी पर निर्भर रहना पड़ता है। जिला की नहरों में कोसली के रास्ते खुबड़ू हैड से नहरी पानी छोड़ा जाता है। इस बार यह पानी 13 दिसंबर को सुबह छोड़ा गया था, जो 14 दिसंबर की शाम को नारनौल पहुंचा था। पानी आने के बाद नहर विभाग हर बार की तरह सबसे पहले नहरी पानी आधारित पेयजल योजनाओं के वाटर टैंकरों की भरपाई करता है। फिर पशुओं के लिए बने जोहड़ों एवं तालाबों को नहरी पानी से भरने का नियम है, लेकिन इस बार जनता की मांग कहें या सरकार की मेहरबानी, नहरों में सिंचाई के लिए पानी छोड़े जाने की बात कही गई और नहर विभाग ने इसके मद्देनजर गांव वाइज एवं नहरी रूट अनुसार एक शेड्यूल बनाया। शेड्यूल इस प्रकार बनाया गया कि एक गांव को नहरी पानी तीन दिन तक मिलता रहे और इन तीन दिनों में उस सारे गांव की सिचांई भूमि सिंचित हो जाए, लेकिन यह संभव नहीं हो पाया, क्योंकि नहरी पानी की अपेक्षा जहां 450 क्यूसिक की बजाए 600 क्यूसिक की उम्मीद थी, वहीं इससे कहीं कम महज 350 क्यूसिक ही पानी मिल पाया। इसका कारण नहरों में कभी पानी कम आना तो कभी नहरें बंद रहना रहा।

कई बार आगे से नहर बंद हुई तो कई बार बिजली की समस्या इसमें बाधा बनकर खड़ी हुई। इस कारण अंतिम टेल के गांवों तक समुचा नहरी पानी नहीं पहुंच पाया और काफी गांव रबी फसलों की सिंचाई से वंचित रह गए। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव दताल की टेल इसकी पुष्टि खुद ही बयां करती है कि वहां के किसान नहरी पानी से फसलों की सिंचाई नहीं कर पाए। दताल क्षेत्र के गांव ही नहीं, अन्य अधिकांश गांवों में किसान अपनी सारी फसलों की सिंचाई नहीं कर पाए हैं, क्योंकि कभी नहर में पानी कम आने तो कभी बिजली समस्या उनके रास्ते में रोड़ा बनी रही।

इस कारण किसान महज आधी फसलों में ही सिंचाई कर पाए हैं और उन्हें अभी और नहरी पानी की आवश्यकता है। हालांकि नहरों में पानी अब 26 दिसंबर को आना बंद हो चुका है, लेकिन इस बार कम आए पानी के चलते किसान उम्मीद कर रहे थे कि अंतिम दिनों में चार दिन के नहरी पानी की सप्लाई बढ़ा दी जाएगी और उन्हें वंचित फसलों की सिंचाई करने का मौका मिल जाएगा, लेकिन नहर बंद होने से उनकी यह मंशा धरी की धरी रह गई है। इससे फसलें खराब होने का खतरा है।

किसानों का कहना है कि पानी के बिना उत्पादन में गिरावट आने का खतरा है। नहरों में पानी की कमी के कारण किसानों को ट्यूबवेल से सिंचाई करनी पड़ रही है, जो काफी महंगा साबित हो रहा है। इस समस्या का समाधान करने के लिए नहर विभाग को कई कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, नहरों में पानी की आपूर्ति बढ़ानी होगी, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके।

नारनौल। नहर में अंतिम दिनों में शेष बचे पानी को खिंचती केवल एक मोटर। फोटो : हरिभूमि

पानी की चोरी भी करते हैं किसान

जहां अनेक किसान कम पानी आने के चलते फसलों को सिंचित करने से वंचित रह गए हैं, वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो इसमें भी कमाई का साधन ढूंढ लेते हैं। अधिकारी ने बताया कि कई किसानों ने नहरों पर पंपसैट लगा रखे हैं और एक घंटा के 600 रुपये तक वसूल करके अन्य किसानों को नहरी पानी बेचते हैं। ऐसा इस बार इकबालपुर नंगली क्षेत्र में नहर विभाग ने पानी की चोरी करते हुए करीब 8 मोटरों को जब्त भी किया है और ऐसे किसानों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी गई है।

यह कहते हैं अधिकारी

नहर विभाग के एसडीओ राजेश वर्मा ने बताया कि इस बार फसलों की सिंचाई के लिए नहर विभाग की तरफ से गांवों का शेड्यूल बनाया गया था, लेकिन कम मात्रा में पानी मिलने के कारण यह लक्ष्य अधूरा रह गया। हालांकि फिर भी हमने ज्यादा से ज्यादा किसानों को पानी लेने का मौका दिया है। यह दिक्कत कभी नहर में पानी कम आने या बंद रहने या फिर बिजली की समस्या के कारण हुई है। वैसे इस जिले में सिंचाई करने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं आता है, क्योंकि पहले वाटर वर्कस और फिर जोहड़ तालाब भरने होते हैं। यदि पानी बच जाए तो उसे सिंचाई में यूज किया जा सकता है। अन्यथा पानी की चोरी अपराध बनता है।

बैंक खाते को संदिग्ध लेन-देन से फ्रीज कराने वाले 5 आरोपित गिरफ्तार

ठगी की रकम को नारनौल व जयपुर के विभिन्न एटीएम से निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप पर ऑनलाइन भुगतान की आड़ में साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करवाकर नकदी प्राप्त करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान कृष्ण व मनोज निवासी कोरियावास, आदित्य निवासी मुंड़ियाखेड़ा, युवराज निवासी सलूनी व जतिन निवासी मंडलाना के रूप में हुई है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सुमन फ्यूल पेट्रोल पम्प के प्रोपराइटर विकास कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि 24 नवंबर को नवीन निवासी मेघपुर राजस्थान ने उसके पेट्रोल पंप पर 35780 रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया और मजबूरी बताकर पंप के सेल्समैन से बदले में नकद राशि ले ली। इसके कुछ दिन बाद पेट्रोल पंप का बैंक खाता होल्ड हो गया। जांच करने पर पता चला कि उक्त ट्रांजेक्शन के संबंध में एनसीआरपी पोर्टल पर गुजरात में डिजिटल अरेस्ट की शिकायत दर्ज है, जिसके चलते यह खाता फ्रीज किया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अटेली के मिलन गार्डन की आधी अधूरी सीलिंग से शिकायतकर्त्ता में रोष

नारनौल। छह वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अटेली के मिलन गार्डन पर लगाई गई आधी अधूरी सीलिंग पर शिकायकर्त्ता ने रोष व्यक्त किया है। शहर के मोहल्ला आदर्श नगर में रह रहे शिकायतकर्त्ता होशियार सिंह यादव ने बताया कि जिला उपायुक्त के आदेशों के बाद अटेली मंडी नगर पालिका ने वहां के अवैध रूप से निर्मित व संचालित मिलन गार्डन व बैंक्वेट हाल को सील कर दिया है, लेकिन यह सील आधी अधूरी लगाई गई है, क्योंकि उसका एक प्रवेश द्वार अब भी खुला हुआ है और आवागमन जारी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि उक्त मिलन गार्डन एवं बैंक्वेट हाल अवैध रूप से नियमों के विरुद्ध बना हुआ है, जिसकी उन्होंने सीएम विंडो में कर रखी थी, जिसकी जांच रिपोर्ट एवं उपायुक्त के आदेशों पर उक्त सीलिंग कार्रवाई की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका अटेली के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से यह सब हो रहा है तथा उसे पूर्ण रूप से सील नहीं किया है। इस आधी अधूरी सीलिंग से इस मिलन गार्डन को चालू रखने में उक्त लोगों को कोई दिक्कत नहीं होगी, क्योंकि मिलन गार्डन के एक कौने में अलग-थलग खड़े पुराने गेट को सील किया गया है, जबकि उस गेट के साथ लगते 24 फुट चौड़े मिलन गार्डन को जाने वाले खुले रास्ते को सील करने की बजाए खुला ही छोड़ दिया है।

पशुचारे से भरी पिकअप को लगाई आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नांगल दुर्गू में अज्ञात बदमाशों ने एक पिकअप में भरे पशुचारे को आग लगा दी। इसके बाद अंदर रखे करीब 25 हजार नकदी चुराकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पिकअप मालिक ने पुलिस को सूचना दी तथा घटना स्थल पहुंची फायर बिग्रेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। पीड़ति ने निजामपुर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी।

कमल सिंह योगी नांगल दुर्गू में किराये पर मकान लेकर परिवार समेत रहता है तथा पिकअप की मदद से पशुचारे की खरीद और बिक्री का कारोबार करता है। बीती शाम बिहारीपुर गांव से कड़बी की कुट्टी भरकर लाया था तथा रात को बाजार वाली गली में पिकअप को खड़ी करके मकान में सो गया। करीब 10 बजे अज्ञात लोगों ने चारे में आग लगा दी। आग की लपेटों से टॉयर फटने से ग्रामीणों को हादसे की जानकारी मिली। ग्रामीणों ने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी।

नांगल चौधरी। आगजनी में क्षतिग्रस्त हुई पिकअप व पशुचारा।

मकान से लाखों के आभूषण व नकदी ले उड़े चोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में चोरों ने एक मकान में जंगले की जाली तोड़ चोरों ने 30 हजार रुपये व लाखों के आभूषण की चोरी कर लिए। इस बारे में मकान मालकिन महिला ने पुलिस में शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला श्याम कॉलोनी नजदीक रेलवे फाटक निवासी मंजू शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह घरेलू काम करती है। उनका बेटा बाहर रहता है, जबकि बहू उदयपुर में पढ़ाई के लिए गई हुई है। पीड़िता ने बताया कि बीती रात वह तथा उनकी दोहती साक्षी शर्मा खाना खाकर करीब 11 बजे कमरे में सो गए थे।

- महिला व उसकी दोहती खाना खाकर सो गई, सुबह नींद खुली सामान बिखरा पड़ा था

सुबह करीब पांच बजे जब उनकी नींद खुली तो उन्होंने देखा कि घर की लॉबी में लगी जंगले वाली खिड़की अंदर से खुली हुई थी और बाहर की जाली टूटी पड़ी थी। सामने वाले कमरे में जाकर देखा तो वहां रखी लोहे की दोनों अलमारियां टूटी हुई थी तथा सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता के अनुसार अज्ञात चोर रात के समय घर में घुसकर अलमारियों से कीमती आभूषण व रुपये चोरी कर ले गए। चोरी की सूचना तुरंत थाना सिटी व 112 नंबर पर दी गई। घर में रखे सामान की जांच करने पर पता चला कि करीब 30 हजार रुपये, सोने चांदी के कई आभूषण अंगूठियां, नथ, मांगटिका, झुमकी, टोपस, बालियां, पायलें, हंसफुल, कंठी, चांदी के सिक्के सहित अन्य आभूषण चोरी कर ले गए।

नारनौल। घर में चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान।

आईएमटी खुड़ाना की स्थापना के लिए सांसद ने सीएम के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर सुझाया रास्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

वर्षों से लंबित आईएमटी खुड़ाना की स्थापना के कार्य में तेजी लाने के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को पत्र लिखा है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली में चल रहे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सांसद धर्मबीर सिंह की एक महत्वपूर्ण बैठक हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ हुई थी। इस बैठक में सांसद ने जिला महेंद्रगढ़ के अनेक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स एवं विभिन्न योजनाओं के बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा की थी तथा कार्यों में तेजी लाने का निवेदन किया था। सांसद ने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया था कि आईएमटी की स्थापना के लिए गांव खुड़ाना की जो भी पंचायती भूमि ली जानी है, सरकार सबसे पहले उस जमीन को लेकर उसका मुआवजा पंचायत को देने का काम करे। ऐसा करने से आसपास के किसानों एवं आमजन में ये विश्वास जाएगा कि ये प्रोजेक्ट तेज रफ्तार से सिरे चढ़ेगा तथा सरकार इस प्रोजेक्ट को लेकर संवेदनशील है। इसके साथ-साथ किसानों की जो जमीन ली जानी है तथा अन्य प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने के लिए एक कमेटी का गठन किया जाए। संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद का मानना है कि इस कमेटी का गठन आईएमटी स्थापना की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाने, भूमि मिलने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने एवं बेहतर तालमेल बनाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।

- कार्य में तेजी लाने के लिए एक कमेटी गठित करने की भी बात कही

महेंद्रगढ़। आईएमटी का शिलान्यास करते पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

बड़ा फैसला आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन करा सकते हैं आवेदन

एनसीआर में निर्माण गतिविधियों पर रोक से प्रभावित श्रमिकों को मिलेगी 2602 रुपये प्रति सप्ताह की सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राज्य सरकार ने निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों के कल्याण के लिए बड़ा फैसला लिया है। हरियाणा सरकार निर्माण गतिविधियों पर समय-समय पर लगाई जाने वाली रोक से प्रभावित होने वाले पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को निर्वाह भत्ता योजना के तहत आर्थिक सहायता देगी। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण निर्माण गतिविधियों पर समय-समय पर लगाई जाने वाली रोक से प्रभावित होने वाले पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए सरकार ने निर्वाह भत्ता योजना के तहत आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत जिन निर्माण श्रमिकों का रोजगार निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगने के कारण प्रभावित हुआ है, उन्हें हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से प्रति सप्ताह 2602 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि यह सहायता केवल उन्हीं पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को दी जाएगी, जो एनसीआर क्षेत्र में कार्यरत हैं और जिनका काम प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रतिबंधों की वजह से रूक गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उस अवधि के दौरान आर्थिक संबल प्रदान करना है, जब वे बेरोजगारी का सामना कर रहे होते हैं। यह सहायता राशि सीधे श्रमिकों के उन बैंक खातों में डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) के माध्यम से भेजी जाएगी, जो उनके आधार कार्ड से जुड़े हुए हैं।

विशेष सहायता केंद्र स्थापित किए

उपायुक्त मनोज कुमार ने बताया कि इच्छुक व पात्र श्रमिक इस योजना का लाभ उठाने के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.hrylabour.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा जो श्रमिक स्वयं आवेदन करने में असमर्थ हैं, वे अपने नजदीकी हेल्पडेस्क या निर्धारित पंजीकरण केंद्रों पर जाकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। सरकार की ओर से इसके लिए विभिन्न जिलों में विशेष सहायता केंद्र स्थापित किए हैं। यहां जाकर श्रमिक अपना पंजीकरण और आवेदन संबंधी कार्य पूरा कर सकते हैं। जिला महेंद्रगढ़ के आवेदक अपना आवेदन पुरानी अनाज मंडी मार्केट कमेटी कार्यालय में करा सकते हैं। उपायुक्त ने यह भी सूचित किया कि इस योजना और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या समस्या के समाधान के लिए श्रमिक विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1800-180-2129 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने जिला के सभी पात्र निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे सरकार की इस जन-कल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय रहते अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार की आर्थिक कठिनाई का सामना न करना पड़े।

खोड़िया नृत्य की परंपरा

हरियाणा में विवाह के समय खोरिया (खोड़िया) एक प्रसिद्ध और मनोरंजक परंपरा है, जो दूल्हे की बारात जाने के बाद घर पर महिलाओं द्वारा निभाई जाती है; इसमें वे मंगल गीत गाती हैं, हंसी–मजाक करती हैं और विवाह के दृश्यों का नाटकीय अभिनय करती हैं। इसमें दूल्हा–दुल्हन और अन्य किरदारों की नकल की जाती है, जिससे उनका मनोरंजन होता है और घर की सुरक्षा भी होती है, साथ ही नवविवाहित जोड़े के सकुशल लौटने की कामना की जाती है।

हरियाणवी लोकगीतों में विवाह संस्कार

हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है- "बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति में लोकगीत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। जहाँ लोकगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के दिल की धड़कन अनुभव होते हैं। हरियाणवी लोकगीतों की परंपरा अत्यंत प्राचीन और समृद्ध है, जिसमें विविधता का असीम सागर लहराता है। यहाँ ऋतुओं के बदलने पर 'सावण के गीत' और 'तीज के मल्हार' गाए जाते हैं, तो खेतों में काम करते समय 'जकड़ी' और 'रागिनियों' के स्वर गूंजते हैं। वीर रस से भरे 'आल्हा' जहाँ भुजाओं में बल भरते हैं, वहीं भक्ति रस से सराबोर 'भजन' आत्मिक शांति देते हैं।

हरियाणवी लोकगीतों में अद्भुत विविधता प्राप्त होती है और जीवन के सभी संस्कारों पर गीत गाए जाते हैं, फिर चाहे जन्म हो अथवा मृत्यु है। संस्कारों में अत्यधिक महत्वपूर्ण विवाह संस्कार पर तो इनकी परंपरा बहुत प्रभावित करती है। इस विशाल परंपरा में 'विवाह के गीत' संस्कारों की नींव को मज़बूत करते हैं।

विवाह के संस्कार की शुरुआत सगाई से होती है। जैसे ही रिश्ता तय होता है, घर के आँगन में खुशी की लहर दिखाई देती है। विवाह की रस्में बान और तेल से शुरू होती हैं। हरियाणवी परंपरा में बान 5, 7 या 9 दिन पहले बैठाए जाते हैं। यानी दूल्हा या दुल्हन को शादी वाले दिन तक रोज़ाना हल्दी-तेल (बटना) लगाया जाता है और नहलाया जाता है। इसे ही 'बान फिरना' कहते हैं। इस समय महिलाएं 'तेलन' को संबोधित करते हुए गाती हैं:

"तारो ए तेलन तेल, म्हारे बन्ने कै चढ़ेगा तेल,
हरया-हरया गोबर मंगाओ, आंगण लिपाओ ए...
म्हारा बन्ना बैठैगा ए, बिछाओ रंगीले खेल,
सोने की कटोरी में, तारो ए तेलन तेल।"

इसके बाद जब दूल्हे या दुल्हन को पटड़े (चौकी) पर नहलाया जाता है, तो दादी और ताई 'समंदर के पानी' की उपमा देते हुए बड़े लाड़ से गाती हैं:

"तात्ता पाणी ए समंदरां का, पोता/बेटा न्हाइयो
ए म्हारे दादा/ताऊ/बाबू का....

अंत में तेल चढ़ाते समय घर की बुज़ुर्ग महिलाएँ शगुन मनाती हैं और नज़र उतारती हैं:

"तेल चढ़ाओ ए बन्नो री दादी, लाड लड़ाओ,
तेल चढ़ाओ ए बन्नो री ताई, शगुन मनाओ
म्हारी बन्नो का रूप सवाया, चाँद सा उजियार,
नज़र न लागे किसी की, राखो जी भरतार"

बान के दिन से ही रात के समय महिला संगीत शुरू हो जाता है, जिसमें बन्ना-बन्नी के सौंदर्य, चतुराई और भविष्य की कल्पनाएँ गीतों में ढलती हैं :

"बन्ना तो हांडे अपने बाबा जी की गलियां
दादी तो फिरै रहसी रहसी रे महल में
सेर मोती बारूं जी बन्ने पै
मोती भी वारूं मैं तो हीरे भी वारूं सेर मोती..."

एक और गीत में बन्नी अपने बन्ने को कहती है:

बन्ना जी मैं तो राज घर सै आई
बन्ना जी तेरे बाबा की ऊंची हवेली
बन्ना जी तेरे बाबल की ऊंची हवेली
बन्ना जी मैं तो चढ़ती चढ़ती आई

इसके बाद विवाह के दिन भात से पहले कुम्हार के घर जाकर 'चाक पूजने' की रस्म बहुत महत्वपूर्ण है। यह रस्म सृजन के प्रतीक 'चाक' (पहिए) के प्रति सम्मान व्यक्त करती है ताकि नए दांपत्य जीवन का पहिया भी निर्बाध चलता रहे। महिलाएं गाती हुई जाती हैं:

"चाक पूजन चाल पड़ी, सुहागन नार,
साथ में सखियाँ गावें, मंगल चार
कुम्हारन ए, दे दे मटकिया का साथ,
तेरे चाक पे बनरी की, सुधरेगी बात"

चाक पूजन के बाद विवाह की यात्रा का सबसे भावुक रिवाज होता है 'भात'। बहन विवाह से पहले अपने भाई को न्योता देती है और गीतों के माध्यम से भात के लिए बुलावा देते हुए कहती है:

'बीरा मेरा मान बढ़ाइयो रे,
मैं न्यौतण आई भात
बीरा तीन मंजली हेली ,
मैं ल्याई रे भात की भेली"

इस परंपरा में वह पल बहुत भावुक करने वाला होता है जब विवाह के दिन भाई भात लेकर आता है और बहन आस-पड़ोस की सभी स्त्रियों संग भात लेते हुए गीतों से भाई का स्वागत करती हुई गाती है:

'मत बरसो इन्द्र राजा जी मेरी मां का जाया भीजै
मेरी मां का जाया भीजै, मेरा सगा भतीजा भीजै
मत बरसो इन्द्र राजा जी, मेरी मां का जाया भीजै''

भात लेने के बाद 'मांढा' बंधन की रस्म होती है और गाया जाता है:

किन्नै यो मांढा पिछवाडिआं
किन्नै यो पूर्या सै चोंक
मांढलड़ा सिरी राम का

इसके बाद जब दूल्हा घोड़ी पर चढ़ता है। बैंड बाजे के साथ बहनें और गाँव की महिलाएँ गाती हैं:

मुबारक सादी हो बनड़े ये घोड़ी नाचती आई
तेरे बाबा हजारी नै बड़ी दूरों से मंगवाई
बनड़े की घोड़ी बिदकै मेरा कलेजा धड़कै
सीस बने के सेहरा, लड़ियां से लाल लटकै
गले बने के तोड़ा, घूण्डी से लाल लटकै
हाथ बने के घड़ियां, कांगणे सै लाल लटकै

फिर दूल्हा बारात लेकर ससुराल पहुंचता है तो स्वागत में 'सीठणे' (मीठी गालियाँ) गाए जाते हैं। यह हरियाणवी लोकगीतों का सबसे रोचक पक्ष है, जहाँ समधियों के रंग-रूप और वेशभूषा पर व्यंग्य किए जाते हैं:

'बाज्या रे नगाड़ा रणजीत का जणू हाक्यम आया
अपणी बेबे न छोड़ के हे म्हारे ब्याहवण आया'
'हमने बुलाए गोरे-गोरे, काले-काले आये रे पसेरे,
हमने बुलाए लंबे-लंबे, ओछे-ओछे आये रे पसेरे '

'फेरे' विवाह के पावन बंधन का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र पड़ाव होता है। जब फेरों के लिए पूजन शुरू होता है तो दुल्हन की सखियां गाती हैं :

दादा देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का बर ढूंडियो
लाडो देस जांदा परदेस जांगा, ढूंडिया सै फूल गुलाब का
ताऊ देस जांदा परदेस जाइयो म्हारी जोड़ी का वर ढूंडियो

अग्नि के सात फेरे लेते समय वधू का अधिकार क्षेत्र बदलता है। हरियाणवी लोकगीतों में हर फेरे के साथ बेटी के 'पराई' होने का दर्द अनुभव किया जा सकता है:

पहला फेरा लीजिए दादा की हे पोती
दूजा फेरा लीजिए ताऊ की हे बेटी
तीजा फेरा लीजिए बाबल की हे बेटी
चौथा फेरा लीजिए काके की हे बेटी
पांचमा फेरा लीजिए मामै की हे भाणजी
छठा फेरा लीजिए नाना की हे दोहती
सातवां फेरा लीजिए लाडो होई पराई

फेरों के बाद 'छन्न' सुनने की रस्म भी होती है जिसमें दूल्हे को छन्न सुनाने के लिए कहा जाता है :

छन्न पक्कियां छन्न पक्कियां, छन्न के ऊपर केसर। सासू मेरी पारवती, सोहरा परमेसर।।

छन्न के बाद विदाई का समय बहुत भावुक करने वाला होता है। बेटी का घर से जाना, बचपन की यादें और माता-पिता का विलाप इन गीतों का मुख्य स्वर होता है। कोयल की उपमा देकर गाया जाने वाला यह गीत अत्यंत मार्मिक है:

"कोयल चालि ए बागां न छोड़ कै,
ए मन्नै कूकर राखोगे मेरी माए...
जिन गलियों में बचपन बीता,
वही गली बिसराई ए,
मात-पिता को छोड़ के बन्नी,
हो गई आज पराई ए"

एक और पारंपरिक विदाई गीत जो मन को छू जाता है:

मेरी बन खंड को कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे ताऊ ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चली
मेरी बन खंड की कोयल बन खंड छोड़ कहां चली
मेरे बाबुल ने बोले हैं बोल बचन की मारी मैं चाली

दूसरी तरफ बारात के विदा होने के बाद, जब घर सूना हो जाता है, तब 'खोड़िया' का आयोजन होता है। यह स्त्रियों का निजी उत्सव है, जहाँ घूंघट की मर्यादा से परे हटकर वे दूल्हा-दुल्हन बनने का नाटक करती हैं :

"खोड़िया मा खोड़िया, आज म्हारे घर आवे नई बहु,
कोरी-कोरी चांदी का हसला घड़ाया...
आज म्हारे बेटे की सुहाग वाली रात।
दुख भूल कै हँस ले आज, यही है रीति की बात।"

असल में हरियाणवी लोकगीत केवल गाए नहीं जाते, वे जिए जाते हैं। इनमें समाज की संरचना है, रिश्तों की मर्यादा है, नारी के अनुभव हैं और जीवन का यथार्थ भी। आज भले ही आधुनिकता की आंधी में डीजे और फिल्मी गीत शादियों का हिस्सा बनते जा रहे हों, लेकिन जब आँगन में कोई बुज़ुर्ग धीमे स्वर में गुनगुनाती है-"बन्नी चली परदेस, छोड़ आई बाबुल का देस.."तो लगता है कि हरियाणा की आत्मा अब भी इन्हीं लोकगीतों में सांस ले रही है। हरियाणवी विवाह लोकगीत वास्तव में संस्कृति की वह धरोहर हैं, जो समय के साथ बदलते समाज को उसकी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

गीत | **राजपाल सिंह गुलिया**

तेरी खेती हरी-भरी

बुरा न मानै तै भैया कुछ, मैं भी कह द्यूँ खरी -खरी ।
बिना सँभाले सूखण लाग्यी , तेरी खेती हरी-भरी ॥

धन दौलत पा कै नै माणस , देख नसे म्हं चूर हुए ।
काणा कहकै दाम माँगते , ये इतणे मगरूर हुए ॥
जरगी सैं इनकी पुश्तैनी , तलवारें भी धरी - धरी ॥

छोरा रोज रात नै आवै, बाहर तैं ए खा पी कै ।
काल्ह कही तै न्यू बोल्या के ,करणा सै हमनै जी कै ।
बहू रोज याह बिना बात बस, बैठी रह सै डरी -डरी ।

खरा कमावै खोटा खावै , याह होग्यी सै रीत हड़ै ।
बाकलियाँ का ब्यौंत देख कै , गावैं सैं सब गीत हड़ै ॥
किसै न मत छेड़ो भाई , बैठी दुनिया भरी - भरी ।

खरी कहणिया माणस सभ नै , भोत घणे लागैं खोटे ।
साँची कह कै बदनामी के, ये बाँधैं रोज भरोटे ॥
लांछन लाग्याँ पाच्छै बोल्ली, लिकड़ै सै याह मरी-मरी।

ग़ज़ल | **रिसाल जांगड़ा**

पड़्या मिरे तै काम नहीं सै।
उसने करया सलाम नहीं है।

बिस्तर तो सै सोन्ने का पर,
दिल नै तो आराम नहीं है।

ठूंठ बणी निरधन की जिंदगी,
सिर पै सुख की छाम नहीं है।

उस माणस नै दू रह्या सूँ,
जिसके सिर इलजाम नहीं है।

इस कलजुग की रामायण म्हं,
रावण तो सै राम नहीं है।

जड़ै छिप्या दिन रैन गुजारी
साधू का घर-गाँम नहीं सै।'

रिसाल' चाँद तै यारी लाकै,
सोया रात तमाम नहीं है।

रागनी | **सत्यवीर नाहड़िया**

बोल्ली या हरयाणी

चाळा करगी-भास्सा बरगी, बोल्ली या हरयाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

आन अनूठी-तान अनूठी, इस बोल्ली की न्यारी।
बोल निराळे-तोल निराळे, जाणै दुनिया सारी।
कड़कै भारी-पर सै प्यारी, बोल्ली सिद्धी-स्याणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

इस म्हैं पाणा-यो हरयाणा, गीत-रागनी न्यारी।
पाड़ैं चाळे-सांग निराळे, भजन-सबद लयकारी।
छप ल्यी सारी-साखी भारी, कबिता कथा-कहाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

धूम मचावै-झट छा ज्यावै, जित जा खुलकै बोल्ली।
गुँज्जै न्यारी-बोल्ली म्हारी, बोल्लीबुड नै तोल्ली।
लखमी डोल्ली-इस म्हैं झोल्ली,तकत-तोड़ थी गाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, या सै भोत पुराणी।।

मिट ज्या रास्सा-पलटै पास्सा, अंबर गान चढ़ावै।
सभनै आस्सा-बणकै भास्सा, माट्टी-मान बढ़ावै।
दिन वो आवै-मंगळ गावै, 'नाहड़िया' की बाणी।
सभतै न्यारी-बोल्ली म्हारी, सै या भोत पुराणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस ने वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बनाया था

ऐतिहासिक नगर हांसी का प्राचीन रुतबा बहाल

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

हरियाणा सरकार ने हांसी को एक नया जिला बनाकर इस ऐतिहासिक नगर के गौरवमयी रुतबे को पुनर्जीवित कर दिया है। सदियों पुराने इस ऐतिहासिक नगर का प्राचीन नाम आसिका होता था जो शाही सुलेमान मार्ग पर स्थित था। यहां के ऐतिहासिक किले का निर्माण सम्राट पृथ्वीराज द्वारा किया गया था। इसका समय-समय पर शासकों ने भरपूर उपयोग किया था।

आयरलैंड वासी जार्ज थॉमस द्वारा वर्ष 1797 में हांसी को अपने नवगठित राज्य हरियाणा की राजधानी बना लिया था। प्राचीन किले में उसने सिक्के ढालने के वास्ते टकसाल भी स्थापित की थी, लेकिन चार वर्षों बाद 1801 में एक लम्बे लड़े गए युद्ध के बाद उसको हांसी से प्रस्थान करना पड़ा। फिर अंग्रेजों ने 1809-10 में हांसी में अपनी नई रिसाला छावनी स्थापित की तथा कुछ वर्षों बाद हांसी क्षेत्र कर्नल स्कीनर को जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। स्कीनर की मृत्यु के बाद अंग्रेजों ने फिर एक बार हांसी के रुतबे को कम कर दिया था, लेकिन वही हांसी का किला 1857 में अंग्रेजों का महत्वपूर्ण मुख्यालय भी बना। इसमें पंजाब के फिरोजपुर से कोर्टलैन्ड अंग्रेज के नेतृत्व में एक नवगवित सेना हांसी में पहुंच गई तथा हरियाणा क्षेत्र के क्रांतिकारियों को दिल्ली जाने से रोकने में सफल भी रही। दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना को कवच प्रदान करने वाली उस सेना को हरियाणा फील्ड फोर्स का नाम दिया गया था जो हांसी के किले में लगभग एक वर्ष तक जमी रही और वहीं से उस सेना ने ओढ़ां, खैरिका व जमालपुर आदि स्थानों पर क्रांतिकारियों से भीषण युद्ध किए थे।

हांसी नगर का ऐतिहासिक बड़सी गेट का दृश्य।

हांसी में स्थित अली तज्जार का मकबरा।

यहां चार कुतुब विराजमान

मुस्लिम समुदाय के विख्यात धार्मिक चार कुतुबों के यहां विराजमान रहने के कारण भी हांसी प्रसिद्ध नगर रहा था। नगर के चारों तरफ खिलजी सुलतान ने वर्ष 1300 के आसपास एक दीवार भी निर्मित करवाई थी जिसमें पांच प्रवेशद्वार थे। उन्हीं में से एक बड़सी गेट पर शिलालेख भी मौजूद है। ऐसे प्राचीन ऐतिहासिक नगर को अब एक जिले का दर्जा देकर मुख्यमन्त्री नायब सैनी ने सराहनीय कार्य किया है। इसी हांसी नगर में अंग्रेजों का ज्यादातर वास्ता रहने के कारण ही हिसार में घोड़ा फार्म स्थापित हुआ था। हांसी नगर में चार कुतुब परिसर के पास अली- तज्जार व लखी बनजारे के विशाल मकबरे स्थित हैं। वहीं पर स्कीनर की दो बेगमों के जुड़वां मकबरे भी बने हुए हैं। इनमें फारसी भाषा में शिलालेख अंकित हैं। यद्यपि ऐतिहासिक किला संरक्षित होने के बावजूद खंडहर बन चुका है, लेकिन जार्ज थॉमस द्वारा निर्मित हौज, बारूद खाना व बाह्य चौकियां आज भी दर्शनीय हैं, जोकि हांसी के प्राचीन इतिहास के साक्षी हैं।

लोकगायन की सशक्त आवाज़ राजबाला बहादुरगढ़

कलाकार | **अंकुर शर्मा**

हरियाणवी लोकगीतों ने वैश्विक स्तर पर अपनी अमिट पहचान बनायी है। इसके लिए अनेक कवियों और कलाकारों का महनीय योगदान रहा है। एक समय जब हरियाणवी रागनी के क्षेत्र में पुरुष गायकों का बोलाबाला था और महिलाओं की उपस्थिति को संदेह और वर्जनाओं की दृष्टि से देखा जाता था, राजबाला ने न केवल माइक थामा, बल्कि अपनी बुलंद और आत्मविश्वासी आवाज़ से पुरुष-प्रधान गायकी के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राजबाला का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव सरथल में हुआ। ठेठ ग्रामीण परिवेश, सीमित संसाधन और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ी 'बाला' का बचपन खेतों की पगडंडियों, पशुओं की घंटियों और माँ की लोरियों के बीच बीता। औपचारिक शिक्षा भले ही अधिक न हो पाई हो, लेकिन प्रकृति और लोकजीवन ने उन्हें जो शिक्षा दी, वही उनकी असली पाठशाला बनी।

रेडियो पर बजने वाली रागनियां उनके मन में सुरों का पहला बीज बोती थीं। वह काम करते हुए, चारा काटते हुए या चूल्हे के पास बैठी-बैठी उन धुनों को गुनगुनाती रहतीं। पर उस दौर में बेटियों का ऊंचे स्वर में बोलना भी मर्यादा के विरुद्ध माना जाता था, मंच पर गाना तो दूर की बात थी। फिर भी उनके भीतर कहीं यह विश्वास पल रहा था कि सुरों से जुड़ा यह रिश्ता एक दिन उन्हें उनकी मंज़िल तक पहुंचाएगा। विवाह के बाद 'बाला' बहादुरगढ़ आकर बस गयी। सामान्यतः यह वह मोड़ होता है जहां अधिकांश बेटियों के सपने घरेलू जिम्मेदारियों में दबकर रह जाते हैं, पर उनके लिए यह नया जीवन एक नई कर्मभूमि बना। राजबाला बताती हैं कि पति रणबीर सिंह के सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताने के लिए उन्होंने अपना नाम 'बाला' से राजबाला कर लिया, वहीं बहादुरगढ़ से उनके नाम के साथ 'बहादुरगढ़' जुड़ा और धीरे-धीरे वही उनकी पहचान बन गया। 2004 के आसपास उन्होंने मंचों पर कदम रखा। उस समय रागनी मंचों पर पुरुष गायकों का ही बोलबाला था। पंडित लख्मीचंद और मेहर सिंह की परंपरा को आगे बढ़ाने वाले दिग्गज कलाकारों के बीच एक घूंघट में खड़ी महिला का गाना समाज के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। राजबाला स्वयं कहती हैं "शुरुआत में बहुत ताने सुनने पड़े। लोग कहते थे कि बहू होकर मंच पर गाना शोभा नहीं देता लेकिन मेरे पति और परिवार ने मुझ पर विश्वास किया। उसी विश्वास ने मुझे समाज के डर से ऊपर उठना सिखाया।" यह समर्थन उनके संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत बना। घर, बच्चे और जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने सुरों की साधना जारी रखी और हर मंच पर खुद को बेहतर साबित करती चली गईं।

वर्तमान हरियाणा सरकार द्वारा संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें बहादुरगढ़ नगर परिषद् के लिए पार्षद मनोनीत किया गया है। प्रसिद्ध फल्गु लोककला महोत्सव में प्रस्तुति को राजबाला अपनी उपलब्धि मानती हैं। देश की सैकड़ों सांस्कृतिक संस्थाएं उन्हें सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित कर चुकी हैं। लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद राजबाला की सादगी आज भी वैसी ही है। न दिखावा, न अहंकार- बस अपनी माटी से जुड़ा एक सरल व्यक्तित्व। वह मानती हैं कि रागनी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोकजीवन का आईना है, जिसमें समाज अपनी अच्छाइयों और कमज़ोरियों को देख सकता है। वास्तव में राजबाला बहादुरगढ़ केवल एक लोकगायिका ही नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना की जीवंत प्रतीक हैं, जिनका लोकगायकी का यह सफर बताता है कि सच्ची प्रतिभा संसाधनों की नहीं, समर्पण और संघर्ष की मोहताज होती।

किस्सा गायकी की पहचान

हिसार के सुशीला भवन में भगत सिंह जयंती पर दी गई पहली प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सफर देखते ही देखते प्रदेश भर के मंचों तक जा पहुंचा। राजबाला की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी 'किस्सा परंपरा' है। राजा नल-दमयंती, सत्यवान-सावित्री, हरिश्चंद्र और महाभारत जैसे प्रसंगों को जब वह रागनी में ढालती हैं, तो श्रोता केवल सुनते नहीं, उस कथा में जीने लगते हैं। वे बताती हैं कि 'लोकसंगीत की आत्मा शालीनता में बसती है, फूहड़ता में नहीं। उनका प्रयास गायकी में करुणा, वीर रस, भक्ति और प्रेम समाहित करने का रहता है।' लोकगायकी से मिला सम्मान और पहचान राजबाला विभिन्न टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों से रागनी की प्रस्तुति देने के साथ-साथ देशभर में लगभग 2500 सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं।

श्रद्धा और उल्लास से मनाया श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

गुरु गोबिंद सिंह ने धर्म व मानवता की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर किया: गरीब सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सिखों के दसवें गुरु, साहिब-ए-कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 359 वां प्रकाश पर्व भिवानी के दोनों गुरुद्वारा साहिबों में बड़ी श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। गुरुद्वारा सिंह सभा घंटाघर तथा गुरुद्वारा साहिब पुरानी देवसर चुंगी में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गुरुद्वारा परिसर में गुरुवाणी कीर्तन, शब्द-कीर्तन और कथा-विचार के माध्यम से गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन और उनके बलिदान पर प्रकाश डाला गया। साथ ही गुरु द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में लंगर का आयोजन भी किया गया, जिसमें विशेष रूप से खीर का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं श्रद्धालु बी.के. वर्मा ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुलकंद का प्रसाद संगत को अर्पित किया। इस पावन अवसर पर भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष नमन किया तथा भिवानी के गुरुद्वारों के भवन के निर्माण के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। बठिंडा के रामामंडी से पहुंचे हजूरी रागी जत्था भाई गरीब सिंह ने गुरुवाणी के माध्यम से श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने अपने चारों साहिबजादों को धर्म की खातिर बलिदान कर दिया, वहीं उनके पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपने शिष्यों सहित शहादत दी। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी सतनाम सिंह एवं प्रेम सिंह ने बताया कि श्री गुरु गोबिंद सिंह का जन्म पौष मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को वर्ष 1666 में पटना साहिब में हुआ था। उनके पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु थे तथा माता का नाम माता गुजरी जी था। बचपन में गुरु गोबिंद सिंह जी को गोबिंद राय के नाम से पुकारा जाता था।

उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए, जिन्हें पंज ककार कहा जाता है—केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा। वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना कर उन्होंने एक नई कौम को जन्म दिया। गुरु जी ने सिख पुरुषों को 'सिंह' और महिलाओं को 'कौर' उपनाम धारण करने का आदेश दिया।

गुरुद्वारा पुरानी देवसर चुंगी स्थित गुरुद्वारे में लंगर ग्रहण करते श्रद्धालु तथा श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष नमन करते विधायक घनश्याम सर्राफ। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान प्रेम मुटरेजा , सरदार इंदरमोहन सिंह , सरदार बलदेव सिंह, लक्ष्मण सिंह, ज्ञानसिंह, गगनीश चावला उप-प्रधान, गुलशन चानना, डॉ यू एस पाहवा , अधिवक्ता अविनाश सरदाना, हर्षदीप डुडेजा , संजय दुआ ,बिशम्भर अरोड़ा , राहुल राणा ,महेन्दर वधवा ,सतीश चावला, सीमा चावला, पिंकी गेरा ,अलका चावला ओमसिंह चावला , निधि, ईशा चावला, करनैल सिंह बागड़ी , बाबा सुभाष सिंह ,बलविंदर सिंह,संजय अग्रवाल ,कमलदीप सिंह , भरत कामरा, दयासिंह , ज्ञानसिंह बागड़ी ,विशाल मुटरेजा ,रमन बागड़ी संकेत ,मनप्रीत कौर, पूजा कौर ,लवप्रीत सिंह ,हरबंस कौर ,सुमन चावला ,विजय सनेजा, जोगिंदर रखेजा, सुदेश सिंह, विशाल मुटरेजा, जतिन चावला, धर्मबीर बत्रा, कृष्ण तनेजा, रमन बागड़ी, हरबंस कौर, पूजा कौर, लवन्या, सुखविंद्र कौर, शोभा बत्रा, वीना तनेजा, हर्ष कौर, गरिमा चानना ,सुदेश सिंह ,आरध्या, सहित श्रद्धालुगण मौजूद थे।

जनता के अधिकारों की रक्षा करना कांग्रेस की पहचान : प्रदीप गुलिया

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 140वां स्थापना दिवस मनाय
- कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा : गुलिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को स्थानीय रोहतक रोड़ स्थित कार्यालय में कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रदीप गुलिया द्वारा कांग्रेस का झंडा फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई। इस दौरान उन्होंने पार्टी के इतिहास और देश के विकास में इसके योगदान पर वरिष्ठ नेताओं ने विचार रखे। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने समाज के हर वर्ग तक कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाने की शपथ ली।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जिसने देश को आजादी दिलाने से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। गुलिया ने कहा कि त्याग, संघर्ष और आम जनमानस के अधिकारों की रक्षा करना ही कांग्रेस के मूल आदर्श हैं। हमारे पूर्वजों ने जेल की सलाखों के पीछे रहकर और लाठियां खाकर इस लोकतंत्र को सींचा है। आज जब देश के संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार हो रहा है, तब कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। प्रदीप गुलिया जोगी ने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदीप गुलिया जोगी ने अंत में कहा कि आज के दिन हम यह संकल्प लेते हैं कि हम हमेशा उन्हीं आदर्शों सत्य, अहिंसा और जनसेवा को आगे बढ़ाएंगे जिन पर इस महान संस्था की नींव रखी गई थी।

भिवानी। स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर शहरी प्रधान एससी सैल समीर खटीक, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान, युवा हल्का अध्यक्ष रजत वाल्मीकि, बलबीर सरोहा, जयवीर गोयत, दिनेश कौशिक, हरेंद्र जाखड़, रमेश ढिगाव, डा. फूल सिंह धनाना, अनिल मास्टर, बलजीत, देवा हालुवास, शिव कुमार धानक, मुकेश प्रजापत, महिपाल, राजेश डाबला, रामकिशन चौहान, रणदीप हुड्डा, जयदेव बामला, सुनील शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेहनतकश लोगों पर हमले कर रही सरकार : बासिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर-कर्मचारी विरोधी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी की राज्य कमेटी की बैठक रविवार को आयोजित हुई। इसमें मजदूर-विरोधी चार काले लेबर कोड, मनरेगा की जगह ग्रामीण रोजगार और आजीविका की गारंटी देने वाले नये कानून, निजीकरण और अरावली पर हमले की कड़ी निंदा की गई। मीटिंग में फैसला लिया गया कि आगामी 15 जनवरी को जींद में होने वाले किसान-मजदूर-बिजली श्रमिकों के महा सम्मेलन में एआईयूटीयूसी के सैकड़ों साथी भाग लेंगे और आगामी 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने के लिए जोरदार अभियान चलाया जाएगा। एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने कहा कि श्रमिक नेताओं ने कहा कि सरकार मेहनतकश लोगों पर एक के बाद एक हमले करती जा रही है। यहां तक कि श्रम कानून में बदलाव करते हुए महिलाओं को रात को ड्यूटी करने का कानून बना दिया गया है।

प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम सुना

- मन की बात कार्यक्रम सुनने में बार-बार जिले का प्रथम आना दर्शाता है लोगों प्रधानमंत्री की नीतियों से है संतुष्ट : कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम मन की बात के प्रति हरियाणा का उत्साह एक बार फिर पूरे देश में मिसाल बनकर उभरा है। रविवार को प्रसारित कार्यक्रम के 129वें संस्करण को सुनने के मामले में हरियाणा प्रदेश एक बार फिर से प्रथम स्थान पर रहा।

भिवानी जिले में भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में जिला भर के विभिन्न बूथों और सार्वजनिक स्थानों पर हजारों कार्यकर्ताओं व आम जनता ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। वही मन की बात कार्यक्रम सुनने में भिवानी जिला प्रथम पर जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया। साल के इस अंतिम संबोधन में प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को भारत के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने देश की सुरक्षा, खेल और विज्ञान के क्षेत्रों में मिली बड़ी सफलताओं का जिक्र किया। उन्होंने भारतीय पुरुष टीम की चैंपियंस ट्रॉफी जीत और महिला टीम की पहली विश्व कप जीत को 2025 की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। पीएम ने राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों में जगे राष्ट्रप्रेम के जज्बे को याद किया।

भिवानी में कार्यक्रम सुनने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने संबोधित किया।

भिवानी। पीएम मोदी की मन की बात सुनते हुए। फोटो : हरिभूमि

एडहॉक कमेटी की मीटिंग संपन्न

भिवानी। पीडब्ल्यूडी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कमेटी भिवानी की एडहॉक कमेटी की मीटिंग तोशाम स्थित पंजाबी धर्मशाला में कमेटी के संयोजक यादविरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कमेटी में मुख्य रूप से सदस्यता अभियान चलाने पर विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों की सहमति से सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पीडब्ल्यूडी सेवानिवृत्त कर्मियों से संपर्क करके ज्यादा से ज्यादा सेवानिवृत्त कर्मियों को संगठन का सदस्य बनाया जाए, ताकि निकट भविष्य में संगठन के रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया जा सके तथा जिला कमेटी भिवानी का चुनाव संपन्न करवाया जा सकें। इस मौके पर उपस्थित सभी सदस्यों को चंदे की रसीद बुक वितरित की गई तथा अनुरोध किया गया कि इस कार्य में तत्परता दिखाई जाए।

बच्चों को स्मृति बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां सिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरक कलां में चल रहे शिविर के दूसरे दिन का आगाज लक्ष्य गीत के साथ किया गया। आज के सत्र में बच्चों को न केवल योगा सत्र से शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि विभिन्न मानसिक गतिविधियों द्वारा सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को साधा गया। मस्तिष्क के विभिन्न भागों को सक्रिय करने तथा स्मृति को बढ़ाने के लिए विभिन्न भागों को सक्रिय करने तथा स्मृति को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां बच्चों को सिखाई गई। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों को एनएसएस प्रभारी रोजी द्वारा अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस सत्र के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने रंग-बिरंगे कागजों से विभिन्न प्रकार के फूलों के गुलदस्ते बनाकर अपने कौशल का परिचय दिया। टीम भावना को प्रबल करने हेतु प्रोमिला एंड टीम की ड्यूटी लगाई गई, जिसे उन्होंने पूरी दक्षता के साथ निभाया।

कांग्रेस ने राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखा:अनिरुद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर भिवानी में ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी के कार्यालय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी का झंडा फहराया और कांग्रेस की गौरवशाली विरासत को याद किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिरुद्ध चौधरी ने कांग्रेस के ऐतिहासिक योगदान की चर्चा की और केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।अनिरुद्ध चौधरी ने कांग्रेस के 139 वर्षों के सफर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1885 में अपनी स्थापना के बाद से ही कांग्रेस ने सदैव राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में कांग्रेस की भूमिका अद्वितीय रही है। अनिरुद्ध चौधरी ने पर्यावरण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए अरावली बचाओ का नारा दिया। उन्होंने अरावली पर्वत श्रृंखला को नॉर्थ जोन की सांसें करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार इसे खत्म करने पर तुली है। उन्होंने कहा कि अरावली केवल पहाड़ नहीं, बल्कि हरियाणा का रक्षा कवच है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व हल्का प्रधान देवराज महता, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सत्यजीत पिलानिया, युवा जिला अध्यक्ष मनदीप सुई, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान, एससी सैल ग्रामीण प्रधान राजेंद्र धानक, एससी सैल शहरी प्रधान समीर खटीक, पूर्व सचिव प्रदेश, अशोक ढ़ोला आदि मौजूद रहे।

मनरेगा स्कीम खत्म करने की साजिश कर मजदूरों की पीठ पर छूरा घोपा: फौजी

भिवानी। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि कांग्रेस राज में मनरेगा ने मजदूरों को मजदूरी दी और हर वर्ग को काम दिया,लेकिन भाजपा मनरेगा स्कीम को खत्म कर गरीबों की पीठ पर छुरा घोपने का काम कर रही है। भाजपा ने ना तो किसानों का भला किया और ना ही मजदूरों के हित में कोई कार्य कर रही है। जिसके चलते लोगों में भाजपा के प्रति जबरदस्त रोष पनप रहा है। वे आज गांव सूई में लोगों से बातचीत कर रहे थे। किसानों के हित में अनेक लंबे चौड़े दावे करने वाली भाजपा ने जलभराव से पीड़ित किसानों को उनकी बर्बाद फसलों का मुआवजा तक नहीं दिया है। जिससे किसानों के समक्ष रोजी रोटी का संकट बनने लगा है। उन्होंने कहा कि सरकार नौकरियों में प्रदेश के युवाओं की बजाए बाहरी राज्यों के युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है। जिस वजह से हरियाणा प्रदेश के युवा रास्ता भटक रहे है। भाजपा सरकार सिर्फ झूठे ढकोसला करने के सिवाय लोगों को व्यापारी वर्ग के अधीन करने का काम कर रही है। भाजपा किसान,मजदूरों के हकों को मारने का काम कर रही है। मध्यम वर्ग को गरीब व अमीरों को ओर अमीर बनाना सरकार की मंशा है

रमेश लालावास बने बीएलए प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में तोशाम विधानसभा क्षेत्र के बीएलए-1 एवं बीडीसी रमेश लालावास ने कहा कि पार्टी द्वारा बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट-2) बनाए जाने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएलए-2 संगठन की आंख और कान के रूप में कार्य करेंगे और मतदाता सूची को शुद्ध रखने में अहम भूमिका निभाएंगे। जिले की विभिन्न विधानसभाओं में बीएलए-1 की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। तोशाम विधानसभा क्षेत्र के बीएलए-1 एवं बीडीसी रमेश लालावास, लोहारू विधानसभा से कमलेश भोड़का, भिवानी विधानसभा से दिनेश वर्मा और बवानीखेड़ा विधानसभा से विजय शर्मा कुंगड़ को बीएलए-1 बनाया गया है। ये सभी पार्टी के अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो संगठनात्मक जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं।

गलतियां ठीक करवाएंगे

तोशाम विधानसभा क्षेत्र के बीएलए-1 एवं बीडीसी रमेश लालावास ने कहा कि भाजपा एक संगठन आधारित पार्टी है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता और प्रत्येक दायित्व का विशेष महत्व होता है। पार्टी का उद्देश्य है कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे। इसी उद्देश्य को लेकर अब बीएलए-2 नियुक्त किए जा रहे हैं, जो मतदाता सूचियों का बारीकी से निरीक्षण करेंगे और उसमें मौजूद गलतियों को समय रहते ठीक करवाएंगे।

'एसआईआर' के कार्य ने पकड़ी गति अधिकारियों ने चलाया जांच अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

पूरे देश में स्पेशल इंटेसिव रिविजन 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) का काम जोर-जोर से चल रहा है। जिसको लेकर बवानी खेड़ा में भी इस अभियान ने तेजी पकड़ी हुई है। बीएलओ घर घर जाकर इस अभियान की अलख जगाए हुए हैं और कार्य को पूरा करने में जुटे हुए हैं। जिस मतदाता का नाम 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं है उसे अपने माता या पिता के वोटर लिस्ट जिसका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में है उसकी डिटेल अपने वर्तमान बीएलओ को देनी है।

इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 है। अगर आप ऐसा कर देते हैं तो आपकी वोट की मैपिंग आपके माता या पिता के साथ कर दी जाएगी अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो इसके बाद आपका नाम अलग सूची में डाला जाएगा और तब आपसे डॉक्यूमेंट के साथ एक फॉर्म भरवाया जाएगा अगर आप यह काम भी नहीं करेंगे तो आपका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा और आपके पास हो सकता है लीगल नोटिस आए कि अगर आपके माता-पिता दादा-दादी नाना नानी 2002 की लिस्ट में भारत में कहीं भी नहीं थे तो आप कहां से आए ।

- यदि आपका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में नहीं है तो आपको माता या पिता के वोटर लिस्ट जिसका नाम 2002 की वोटर लिस्ट में है उसकी डिटेल वर्तमान बीएलओ को देनी होगी।

नहीं मिल रहा सहयोग

बीएलओ ने नाम छापने की सूरत में बताया कि उपभोक्ता उन्हें सहयोग नहीं कर रहे और डर रहे हैं जबकि ये सरकार के आदेशों की पालना की जा रही है और समय सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने बता कि यदि आप यह सोचकर कि यह सरकार का काम है बीएलओ खुद घर आएगा उसका काम है वह करेगा। यह आपकी जिम्मेवारी है समस्या जानकारी न देने वालों को होगी। बीएलओ की मानें तो वे उपभोक्ताओं के घर जाकर व फोन से भी सूचनाएं प्राप्त कर रहे हैं जिनमें कुछ असहयोग देखने को मिल रहा है। उन्होंने सभी से सहयोग की मांग की।

कमी वरिष्ठ अधिकारी नहीं होने से विकास योजनाओं पर नहीं हो रहा काम

एसईपीओ, बीडीपीओ का पद रिक्त ग्रामीण विकास पर लगा ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

प्रदेश सरकार बाढड़ा उपमंडल क्षेत्र को लेकर ज्यादा गंभीर नजर नहीं आ रही है। राजस्व विभाग के बाद अब विकास एवं पंचायत विभाग में बीडीपीओ, एसईपीओ जैसे दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के रिक्त पदों से क्षेत्र के ग्राम पंचायतों के विकास या आमजन से जुड़े कामकाज पर पूरी तरह ग्रहण लग गया है। इन दोनों पदों का किसी दूसरे अधिकारी के पास कार्यभार नहीं होने से पंचायत प्रतिनिधि दर दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने तत्काल प्रभाव से रिक्त पदों पर अधिकारियों की तैनाती की मांग की है।

उपमंडल बाढड़ा में मौजूदा बीडीपीओ मनोज कुमार का 20 नवंबर को बीडीपीओ कार्यालय बाढड़ा से महेन्द्रगढ जिले में तबादला होने के बाद किसी दूसरे अधिकारी को कार्यभार नहीं देने से विभाग के कर्मचारियों के सामने विकट हालात पैदा हो गए हैं क्योंकि एसईपीओ का दो माह पहले ही महेन्द्रगढ तबादला हो गया जो वहां पर पदौन्नत होकर बीडीपीओ के पद पर सेवारत हैं। पच्चास गांवों के विकास का काम देने वाले अधिकारी की तैनाती न होने से ग्रामीण विकास, पंचायती भूमि या नई योजनाओं के क्रियांवन को लेकर सारी तैयारी केवल कागजों में सिमट कर रह जाती है। एक माह से बीडीपीओ के दर्शन न होने न होने से पंचायत प्रतिनिधि दर -दर भटकने को मजबूर हैं वहीं प्रशासन की चुप्पी से उनमें रोष भी बना हुआ है। सरपंच सोमेश जेवली, सरपंच रमेश फौजी श्यामकलां, प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा कारी, राजेश बाढड़ा, रमेश काकड़ौली, रणबीर सिंह रोहिल्लाआदि ने बताया कि उपमंडल मु2यालय के खंड विकास एवं पंचायत विभाग के बीडीपीओ, एसईपीओ के दोनों पद रिक्त होने से क्षेत्र के गांवों के कामकाज को कौन स्वीकृति देगा या कौन भुगतान करेगा इसको लेकर सरकार कोई फैसलें लेने की बजाए कुंभकर्णी नींद सो रही है।

बाढडा। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय। *फोटो : हरिभूमि*

बीडीपीओं की जल्द नियुक्ति हो

भाकियू जिला प्रधान हरपाल भांडवा ने कहा कि कस्बे में पिछले छह सप्ताह से भी अधिक समय से बीडीपीओं का पद रिक्त है लेकिन प्रदेश सरकार इस और कोई ध्यान नहीं दे रही है उन्होंने प्रदेश सरकार व प्रशासन से मांग की है कि जल्द ही बीडीपीओं की बाढडा में नियुक्ति की जाए नहीं तोलोग आंदोलन करने को मजबूी होंगा । उन्होने कहाकि कस्बे में तहसील दार भी नहीं था जिसके लिए भी किसानों ने धरना दिया था इस लिए जल्द बीडीपीओं की नियुक्ति की जाए।

सरकार के नकारा सिस्टम से आमजन परेशान

हरियाणा स्टोन क्रेशर एसोसिएशन अध्यक्ष सोमबीर सिंह घसौला ने कहा कि प्रदेश सरकार का समस्त चरखी दादरी जिले के साथ सौतेला बर्ताव किसी से छिपा नहीं है। पिछले पांच साल से लागातार राजस्व, कृषि, पंचायतीराज, विकास एवं पंचायत विभाग, बिजली सहित सभी विभागों में साठ से अस्सी फिसदी पद रिक्त हैं और इस नकारा सिस्टम का आमजन को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। सरकार ने जल्द ही रिक्त पदों पर वरिष्ठ अधिकारी नहीं भेजा गया तो वह सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर आंदोलन की शुरुआत करेंगे।

अलखपुरा की गांव कमेटी में बहादुर सिंह को चुना कमेटी का प्रधान

तोशाम। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की केंद्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर रविवार को संगठन के कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बैठक क्षेत्र गांव अलखपुरा पंचायत घर में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता भूतपूर्व सरपंच फतेह सिंह ने की और बैठक में 11 सदस्य गांव कमेटी का गठन किया गया जिसमें बहादुर सिंह को कमेटी का प्रधान चुना गया। वहीं अजीत सिंह दलाल को उपप्रधान, प्रेम सिंह को सचिव, और जगदीश चंद्र, राजेंद्र सिंह, वीरभान, ईश्वर सिंह, रघुवीर, रण सिंह, मास्टर विजय सिंह, भागीरथ आदि सदस्य चुने गए। कमेटी ने अरावली पर्वत पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा 100 मीटर से कम ऊँचाई की पहाड़ियों में खनन करने की अनुमति देने के विरोध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतियां फूँकी और मनरेगा के नाम को बदल कर वीबीजीरामजी करने के बहाने स्कीम बन्द करने का पुरजोर विरोध किया। संगठन के जिला प्रधान रोहतास सिंह सैनी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा स्वीकृत अरावली जिलों की एक-समान परिभाषा भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला के लिए विनाशकारी साबित होगी।

मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

भिवानी। हमारा अपना फाउंडेशन द्वारा स्थानीय आदर्श पुनर्वास स्कूल में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित करवाई गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए रखा गया था। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष विजेंद्र बडगुजर और प्रमुख समाजसेवी व वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट शिव रतन गुप्ता ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग दिवस पर आयोजित खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 100 छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जब ये विशेष बच्चे मंच पर अपना सम्मान लेने पहुंचे, तो पूरा हॉल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा।

खबर संक्षेप

नपा चलाएगी अतिक्रमण हटाओ अभियान

कनीना। बाजार में बढ़ती अव्यवस्था के कारण नगर पालिका प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। जिसके अंतर्गत दुकानों के बाहर रखे गए सामान को नगर पालिका टीम जब्त कर दुकानदारों व रेहड़ी फड़ी वालों को अतिक्रमण न करने के लिए सख्ती बरतेगी। नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने कहा कि दुकानदारों की ओर से किए गए अतिक्रमण से शहर की व्यवस्था बिगड़ रही है, जिसकी शिकायत नपा प्रशासन को मिल रही हैं। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंधेरा होगा गायब, रात्रि में जगमग होगा पूरा क्षेत्र, पानी निकासी के लिए जोहड़ के पानी को किया जा रहा लिफ्ट

कनीना में शीघ्र लगेंगी हाईमास्ट लाइट मंजूरी के लिए डीएमसी के पास पहुंची फाइल

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

■ नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने दी जानकारी

डीएमसी से मंजूरी मिलने के बाद नगर पालिका क्षेत्र में पहले से चिन्हित किए गए स्थानों पर जल्द ही दस हाईमास्ट लाइट लगाई जाएगी। नगर पालिका की ओर से बीती 13 नवंबर को आयोजित साधारण बैठक में प्रस्ताव पारित कर जिला नगर आयुक्त नारनौल को भेजा गया था। जिसकी अनुमति मिलने के बाद लाइट लगाने का रास्ता साफ हो गया है। इस बारे में नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने बताया कि कोविड महामारी के दौरान यह कार्य लंबित रहा था। जिसे अब टेंडर अलाट होने वाली उसी फर्म से कार्य करवाया जाएगा।

बता दें कि हाईमास्ट लाइट लगाने के लिए कनीना में करीब दर्जन भर स्थान चिन्हित किए गए थे। जिनमें दस लाइटें लगने के रात का अंधेरा दूर होगा, वहीं आमजन को सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि उक्त बैठक में उपस्थित नपा सचिव कपिल कुमार, वाइस चेयरमैन सूबेसिंह, एमई दिनेश कुमार, जेई राकेश कुमार, लेखाकार मनोज कुमार सहित वार्ड पार्षद मंजू देवी, दीपक चौधरी, उषा यादव, रेखा देवी, राजकुमार यादव, राकेश कुमार, राजेश देवी, पूजा देवी, नितेश गुप्ता, योगेश कुमार, होशियार सिंह, सुमन देवी, राजेंद्र सिंह के अलावा मनोनीत पार्षद सवाई सिंह व नीलम देवी ने नगर में प्राथमिकता के आधार पर 14 वार्डों में किए जाने वाले करीब 18 बिंदुओं पर कार्य योजना तैयार की गई थी। इनक कार्यों में डीएवी शिक्षण संस्थान को दी गई करीब 60 एकड़ भूमि को वापिस लेने के लिए मैनेजमेंट से बातचीत करने, नपा परिधि का विस्तार करने, रेवाड़ी रोड से भैया वाला जोहड़ होते हुए कन्या विद्यालय तक मार्ग की पैमाइश कराने, कॉलर वाले जोहड़ के दक्षिण दिशा में रास्ता नंबर 660 की पैमाइश कराने, वाहनों की अधिकता व सड़क जाम से निजात दिलाने के लिए अटेली मोड़ से लेकर रेवाडी मोड़ टी प्वाइंट तक पीडब्ल्यूडी रोड को चौड़ा किया जाएगा।

माणका वाली बणी में कचरा प्रबंधन संयंत्र स्थापित किया

नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने कहा कि कनीना में सबसे बड़ी समस्या गंदे पानी के निकासी की है। कॉलर वाला व होली वाला जोहड़ से पानी लिफ्ट कर उसे एसटीपी के रास्ते से पीपल वाली बणी में भेजे जाने की योजना है। पानी निकासी कार्य पूरा होने के बाद कनीना में जलभराव की समस्या नहीं रहेगी। इसके अलावा माणका वाली बणी में कचरा प्रबंधन संयंत्र स्थापित किया गया है।

तीन दोस्तों की मौत में शोक जताने पहुंचे दिग्विजय चौटाला

नारनौल। नेशनल हाइवे 152 डी पर बुधवार रात कैंटर व कार की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। इस हादसे में कार में सवार तीन दोस्तों की जलने से मौत हो गई थी। हादसे के बाद रविवार शोक जताने जजपा पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला उनके गांव नीरपुर पहुंचे और एक के बाद एक करके तीनों मृतकों के परिजनों से मिल शोक व्यक्त किया। इस दौरान दिग्विजय चौटाला ने कहा कि तीनों परिवार के साथ उनकी संवेदनाएं है। असमय हुए इस हादसे से जहां परिवार को गहरा दर्द है, वहीं हादसे से उनके परिचित भी दुखी है। जो भगवान ने लिखा है, वह होना तय है, यह सत्य बात है। उसके बहाने अलग-अलग हो सकते है। सुना है जिस कैंटर ने कार को टक्कर मारी, वह पशु आहार की आड़ में अवैध शराब लेकर जा रहा था। इस मामले में पुलिस प्रशासन को कड़ा एक्शन लेना चाहिए। इस दुख की घड़ी में वह और पूरी जेजेपी पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। भगवान तीनों की आत्मा को शांति दें। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ब्रज शर्मा, प्रदेश प्रधान महासचिव रणधीर सिंह चिका, जिला अध्यक्ष राजकुमार यादव मौजूद रहे। आपको बताते चले कि बुधवार रात इस सड़क हादसे में गांव नीरपुर वासी एडवोकेट राजकुमार यदुवंशी, रविदत्त व प्रवीण की मौत हो गई थी।

विद्या भारती स्कूल में पीटीएम हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭!नारनौल

नारनौल। पीटीएम में भाग लेते अध्यापक व अभिभावक।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में रविवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सम्मेलन में अनिल बसई, अमीलाल बसई, नेत्रपाल पवेरा, नवीन नालपुर, हेतराम छिलरो, अशोक निजामपुर, अनिल तलोट, देवेन्द्र कंवर का नांगल, सुनील ढाणी अहीरान, रामसिंह बायल, संग्राम सिंह किशनपुरा, हरिराम डाबला, संदीप छिलरो, जितेन्द्र निजामपुर, मनीष गांवड़ी जाट, कुलदीप बायल, संजय बामनवास, सुनील बसीरपुर, गोपाल छिलरो, जयसिंह जमालपुर, विजय किशनपुरा, प्रद्युम्न दनचोली, रविन्द्र बिहारीपुर, विरेन्द्र नारेड़ी, प्रवीण छिलरो, रोहित घाटाशेर, शक्ति सिंह छिलरो, अनिल नापला, सचिन कंवर का नांगल, विकाश छिलरो, अमर सिंह निजामपुर, संदीप निजामपुर, रामपाल गोविंददासपुरा, राजपाल छिलरो, अमित निजामपुर, रवि कुमार बामनवास, सज्जन कुमार बसई, सरजीत सिंह त्यौंदा, सुभाष छापड़ा, विरेन्द्र छिलरो, देशराज नापला, निरंजन किशनपुरा, हंसराज रूपसराय, कंचन सिंह सरेली, अशोक सरेली, सतबीर निजामपुर, योगेश मौखुता, रविन्द्र बाडलवास, विकास बसई, सुधीर गांवड़ी जाट, सुरेन्द्र ढाणी अहीरान, रवि शर्मा छिलरो आदि उपस्थित थे।

मॉडलों की प्रदर्शनी भी लगाई गई

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के मॉडलों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अभिभावकों ने खूब सराहा। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, उप प्राचार्य सपना मल्होत्रा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित सभी अध्यापकगण उपस्थित थे। अन्त में प्राचार्य विनोद कुमार यादव ने अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों पर भविष्य में अमल करने का आश्वासन दिया। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने अभिभावकों से समय-समय पर अपने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेने के लिए आग्रह किया।

तालमेल से छात्रों में विकसित होगी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। साइंस मॉडलों की प्रस्तुति देते मेधावी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें अभिभावकों को बच्चों की मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट से अवगत कराया तथा स्कूल की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी है। बैठक में 1150 से अधिक अभिभावकों ने अपने बच्चों की शिक्षा और भविष्य को लेकर विचार विमर्श किया। कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव व एमडी अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन, अनुशासन, उपस्थिति, गृहकार्य और सह शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों की कमजोरियों को दूर करने और उनकी क्षमताओं को निखारने के लिए आवश्यक सुझाव भी अभिभावकों के साथ साझा किए गए। कहा कि सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नये आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह ब्लॉक की एकमात्र शिक्षण संस्था है, जहां विद्यार्थियों को रोबोटिक लैब की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिससे बच्चों में तकनीकी ज्ञान और नवाचार की भावना विकसित हो रही है। इसके साथ ही विद्यालय में डिजिटल बोर्ड के माध्यम से पढ़ाई कराई जाती है। जिससे विषयों को सरल और रोचक ढंग से समझाया जाता है। अभिभावक शिक्षक संवाद बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास व व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान देना है।

ज्ञानकोष ए ग्लोबल स्कूल में पीटीएम का आयोजन

महेंद्रगढ़। गांव खरखड़ा अकोदा स्थित ज्ञानकोष ए ग्लोबल स्कूल में रविवार को अभिभावक शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। विद्यालय सीईओ राकेश कुमार ने बताया कि अभिभावक शिक्षक मिलन समारोह में शिक्षकों को अनेक रणनीतियों पर चर्चा करने का अवसर देते हैं, जिन्हें माता-पिता और अभिभावक छात्राओं की शिक्षा का समर्थन करने के लिए घर पर लागू कर सकते हैं, जिसमें किसी छात्र को स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से रोकने वाली कोई भी शैक्षणिक या व्यवहार संबंधी बात है शामिल है। उन्होंने बताया कि यह पीटीएम का उद्देश्य छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन, व्यवहार, सामाजिक विकास और समृद्ध कल्याण के बारे में संवाद है। प्राचार्य रामनिवास यादव ने बताया कि विद्यालय में अपने बच्चों की वार्षिक रिपोर्ट लेने के लिए आयोजित पीटीएम में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपने बच्चों की रिपोर्ट में अपने सुझाव विद्यालय प्रबंधन से साझा किया। उन्होंने बताया कि ऐसे सम्मेलन का उद्देश्य छात्रों का विकास अधिगम के लिए उत्साह उत्पन्न करना हैं।

विधायक ने सुना मन की बात कार्यक्रम

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने रविवार को निजी स्कूल में विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 129वां एपिसोड सुना। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में देश की उन्नति, तरक्की और विकास को आगे बढ़ाने में युवाओं के योगदान की सराहना की है। प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक संदेश से देश के युवा और बच्चे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि आज विश्व की शक्तिशाली ताकतें भारत को आशा भरी निगाहों से देख रही हैं। भारत तेजी से आगे बढ़ता हुआ विश्व का एक सशक्त राष्ट्र बन रहा है। विधायक ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के हर वर्ग को जीवन में उन्नति, तरक्की व राष्ट्र के प्रति योगदान देने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में युवाओं सहित सभी वर्गों से सुझाव मांगते हैं और उन पर गंभीरता से चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं।

देवयानी स्कूल में मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

महेंद्रगढ़। गांव बेवल स्थित देवयानी इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को भारत रत्न बाबा साहेब की स्मृति में अनुसूचित जाति के 101 मेधावी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। समाजसेवी कुलदीप यादव बौचड़िया ने कहा कि युवा किसी भी देश की अमूल्य निधि होते हैं। देश का उज्जवल भविष्य युवाओं की दिशा पर ही निर्भर करता है। जिस देश के युवा जितने ज्यादा शिक्षित एवं कुशल होते है, वह देश प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति के नए आयाम स्थापित करता है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश है, जिसमें 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की है। उन्होंने कहा कि युवा सेवा फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र की मेधावी विद्यार्थियों को बाबा साहेब अंबेडकर की स्मृति में प्रोत्साहन राशि प्रदान करके उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का उपक्रम सही मायनों में काबिले तारीफ है। इसके लिए उन्होंने संस्था से जुड़े कार्यकर्ताओं के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का यह प्रयास क्षेत्र के अनुसूचित जाति समाज की प्रतिभाओं को सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला बौद्धिक प्रमुख पवन कुमार ने विद्यार्थियों को भारत रत्न डॉ. अंबेडकर के जीवन से संबंधित अनेक प्रसंग बताकर उन्हें जीवन में मुश्किलों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का पूरा जीवन समाज को शिक्षित एवं संगठित करने में व्यतीत हुआ। उनका मानना था कि शिक्षा समाजिक परिवर्तन का शक्तिशाली माध्यम है तथा यह व्यक्ति को निडर, संगठित और संघर्ष के लिए प्रेरित भी करती हैं। कार्यक्रम में समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले विविध संगठनों ने शिरकत की, जिनमें शिक्षा, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, धर्म जागरण, व्यापारी वर्ग, चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहें।

अरावली पर्वत में ब्लास्टिंग को लेकर उष्मापुर में पंचायत

जिन-जिन घरों को नुकसान पहुंचा उन्हें मुआवजा मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। पंचायत को संबोधित करते समाजसेवी बलवान फौजी। फोटो : हरिभूमि

गांव उष्मापुर में पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। इस दौरान समाजसेवी बलवान फौजी भी विशेष रूप से मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि उनका गांव अरावली पर्वत श्रृंखला के अंतर्गत आता है, जहां नियमों के अनुसार खनन गतिविधियों पर रोक होनी चाहिए। इसके बावजूद गांव के पहाड़ों में लगातार माइनिंग और ब्लास्टिंग की जा रही है।

ब्लास्टिंग के तेज धमाकों से पूरा गांव कांप उठता है और कई मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब परिवारों के लिए इन क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत कराना संभव नहीं है, जिससे उनमें भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। पंचायत को संबोधित करते हुए बलवान फौजी ने कहा कि ग्रामीणों की मांग पूरी तरह जायज है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और अगले 15 दिनों के भीतर प्रशासन, ठेकेदार और ग्रामीणों की संयुक्त बैठक आयोजित कराई जाएगी, ताकि सभी पक्ष अपने-अपने तर्क रख सकें। उन्होंने यह भी कहा कि ब्लास्टिंग के कारण जिन-जिन घरों को नुकसान हुआ है, उन्हें उचित मुआवजा दिलाने के लिए वे पूरा प्रयास करेंगे। बलवान फौजी की इस बात पर पंचायत में मौजूद सभी ग्रामीणों ने हाथ उठाकर समर्थन जताया। बलवान फौजी ने पंचायत को आश्वासन दिया कि जिन घरों में नुकसान हो रहा है, उनकी लिस्ट बनाओं और यह स्क्रीन प्लांट की वजह से खेतों में जा रही लाल रेत से फसल खराब होने संबंधित व रीवाहन गुजरने की वजह से जितनी भी परेशानी है, इन सभी बातों को लेकर 11 जनवरी 2025 को सभी विभागों के अधिकारियों को यहां बुलाकर आप लोगों के सामने ही इन परेशानियों का समाधान करवा दिया जाएगा, अधिकारियों को यहां बुलाने का मेरा काम है। रविवार को यह पंचायत शांतिपूर्वक समाप्त हुई।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर अशोक, अमित, नीरज, अनिल, सोनू, जयकिशन, सोमबीर, जोगेंद्र, कर्ण सिंह और सतीश, सरपंच रविंद्र, अनिल, अमित, सहिराम, अशोक, नीरज, सोनू, अंकूर, जयसिंह, सुनील, जगदेव फौजी, इंजिनियर संदीप शास्त्री, किशनलाल, पप्पू, राकेश, पवन, रोहित, पूर्व सरपंच हरिओम, पूर्व सरपंच मुसद्दी, रोहताश, सियासहाब सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

एचपीएस में जीनियस स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

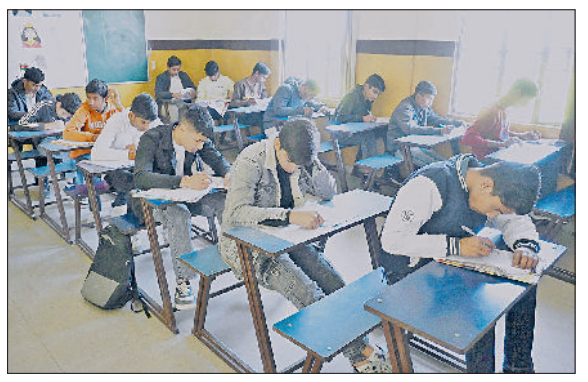

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जीनियस-30 स्कॉलरशिप परीक्षा के फेज एक का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस परीक्षा में आसपास के विभिन्न विद्यालयों से आए 10वीं कक्षा के लगभग 1153 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य सुनील यादव व डीन मनोज भारद्वाज ने बताया कि इस स्कॉलरशिप टेस्ट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत ट्यूशन फीस में छूट प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही चयनित विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में ही आईआईटी, जेईई, नीट, सीए फाउंडेशन, सीएस फाउंडेशन व क्लैट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग सुविधा भी दी जाएगी। जिससे विद्यार्थी प्रारंभ से ही अपने लक्ष्य की दिशा में प्रभावी तैयारी कर सकें। इस अवसर पर विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों के लिए एक विशेष करियर गाइडिंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रूचि, क्षमता व योग्यता के अनुरूप सही करियर विकल्प चुनने में मार्गदर्शन प्रदान करना था।

रूबरू देश एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से किसानों के हालात बदले

भाजपा सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदा में दिए 15-20 हजार प्रति एकड़: बाबूलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। पत्रकारवार्ता में विचार रखते चेयरमैन बाबूलाल यादव। फोटो : हरिभूमि

देश एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से किसानों के हालात बदले हैं और फसलों के इतने दाम मिलने लगे हैं, जितने पहले किसानों को कभी नहीं मिले। पहले फसलों पर प्राकृतिक आपदा आने पर दो-दो रुपये के चेक मिलते थे, लेकिन हमारी सरकार ने उसी प्राकृतिक आपदा के 15-20 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दिए हैं। उक्त विचार मार्केट कमेटी नारनौल के नवनियुक्त चेयरमैन बाबूलाल यादव ने दोपहर को रेवाड़ी रोड अपार होटल में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में व्यक्त किए। उनके साथ मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन सुरेश चौधरी एवं युवा भाजपा नेता मनोज सेकवाल भी साथ थे। चेयरमैन बाबूलाल यादव ने अपनी नियुक्ति के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का तहेदिल से आभार जताया और कहा कि वर्ष 2014 से यशस्वी प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने किसानों के व्यारे-न्यारे कर रखे हैं और सरकार आए दिन किसान हित में फैसले ले रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत अब हर वर्ष किसानों को 6 हजार रुपये सीधे उनके खातों में डाले जा रहे हैं तथा इससे देश के करीब 10 करोड़ किसान लाभान्वित हो रहे हैं। एमएसपी पर फसलें खरीदी जा रही हैं। हरियाणा देश का ऐसा राज्य है, जहां 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। सरकार का मानना है कि किसान खुश तो सब खुश। चेयरमैन बाबूलाल यादव ने कहा कि अब वर्ष 2026 में रबी फसलों की खरीद होनी है तथा वह विश्वास दिलाते हैं कि इस खरीद में किसानों को मंडी में कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री की सराहना की

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की विशेष प्रशंसा की और कहा कि उनके नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। पहले 777 डाक्टरों की भर्ती, फिर 450 आयुर्वेद मेडिकल अफसरों की भर्ती और अब 450 मेडिकल अफसरों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। कोरिवायास मेडिकल कॉलेज में 100 सीटों पर एडमिशन चल रहे हैं तथा आयुर्वेद कॉलेज पटीकरा की 36 सीटों को बढ़वाकर फिर से 100 सीट कराना आरती सिंह राव की देन है। नारनौल में ट्रामा सेंटर चालू कराना, कलर अल्ट्रासाउंड, 100 बैड के अस्पताल को 200 बैड का करने, महेंद्रगढ़ के 50 बैड के अस्पताल को 100 बैड का करने, सतनाली व नांगल चौधरी में सीएचसी बनवाने तथा अटेली व कनीना में एफआरयू लागू कराया है। सबसे बड़ी उपलब्धि बिहाली गांव में अंतर राष्ट्रीय स्तर का खेल स्टेडियम का निर्माण कराया जाना है।

वंचित किसानों को भी दिलाएंगे भावांतर:

जिन 575 किसानों को भावांतर भरपाई का पैसा नहीं मिला है, उन्हें भी यह पैसा मिलेगा, सीएम साहब से बात हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अनाज मंडी की दुकानों एवं व्यापारियों का मामला वे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के सामने रखेंगे तथा उनसे हस्तक्षेप करवाकर सीएम साहब से व्यापारियों की दुकानों का ब्याज माफ करवाने का प्रयास करेंगे।

सुजापुर में भाजपा जिलाध्यक्ष ने ग्रामीणों के साथ सुनी मन की बात

नारनौल। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव ने अटेली विधानसभा के गांव सुजापुर के बूथ नंबर 141 पर ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 129वें संस्करण को सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में सुना। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के संदेशों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के माध्यम से हमेशा देशवासियों को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का कार्य किया है। स्वदेशी अपनाना आज समय की आवश्यकता है, क्योंकि इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और स्थानीय कारीगरों, किसानों व उद्यमियों को लाभ मिलेगा। राव ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समांतर विकास की नीति पर कार्य कर रही है, जिसमें गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का समान रूप से विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

अरावली को लेकर कांग्रेस के आरोप खोखलेः वासुदेव

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि झूठा भ्रम फैलाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि दीपेंद्र अरावली पर्वतमाला व पर्यावरण के नाम पर दिया गया बयान राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। दीपेंद्र हुड्डा का बयान तथ्यहीन व जनता को भ्रम में डालने वाला है। वासुदेव यादव ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा का पूरा बयान न तो कानूनी तथ्यों पर आधारित है और न ही पर्यावरण संरक्षण की वास्तविक समझ को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर जनहित के मुद्दे पर राजनीति करना कांग्रेस की पुरानी आदत है। यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को अरावली व पर्यावरण की चिंता आज हो रही है, जबकि वर्षों तक हरियाणा में कांग्रेस शासन के दौरान इस विषय पर अनेक अनियमितताएं बर्ती गई, बिल्डर माफिया और पर्यावरणीय विनाश को खुला संरक्षण दिया गया। सीएजी रिपोर्ट में जिन घोटालो का उल्लेख है, वह कांग्रेस शासन काल की ही देन है। उस समय दीपेंद्र हुड्डा व कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी आज उनके दोहरे चरित्र को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जानबूझकर अफवाह फैला रही है। उन्होंने कहा कि 100 मीटर को लेकर कांग्रेस की ओर से फैलाया जा रहा भ्रम जानबूझ कर किया गया दुष्प्रचार है।